बी०ए० संस्कृत

सत्र- तृतीय (Semester- III)

आधारभूत पत्र (Core paper)	**संस्कृतभाषा**	**पूर्णाङ्क -100**
BSG-C321	**Sanskrit Language**	**सत्रान्त परीक्षा -60**
		आन्तरिक परीक्षा-40
		क्रेडिट- 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को संस्कृत भाषा की सामान्य जानकारी देना है। इसके माध्यम से छात्र संस्कृत भाषा एवं संस्कृत शब्दों के ज्ञान से परिचित कराना है। पाठ्यक्रम का एक उद्देश्य यह भी है कि छात्र भाषा का प्रयोग सम्यक् रूप से करने में समर्थ हो सकें।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 इसके अध्ययन से छात्र संस्कृत शब्द ज्ञान से परिचित होंगे।।

CO2 छात्र संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य को जानेंगे।

CO3 इसके अध्ययन से छात्र प्राचीन लौकिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

CO4 इसके अध्ययन से छात्र आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित होंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-1 संस्कृत शब्द ज्ञान (प्रौढ रचनानुवादकौमुदी के अनुसार)

1. संख्या ज्ञान 50-100 संख्या तक

2. हजार, लाख, लाख, करोड, अरब एवं खरब का संस्कृत में ज्ञान

4. वृक्ष वर्ग अध्याय 41, पुष्पवर्ग अध्याय 42, फल वर्ग अध्याय 43 एवं 44, गृहवर्ग अध्याय 55, शाकवर्ग अध्याय 34 एवं 35

Unit-2 सन्धि (प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी के अनुसार)

1. स्वर सन्धि- यण्, दीर्घ, गुण, वृद्धि, अयादि

2. व्यञ्जन सन्धि- श्चुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व, अनुस्वार, विसर्ग

Unit-3 गीता (षोडश अध्याय)

1. श्लोकों की व्याख्या एवं विवेचना

2. गीता परिचय

Unit-4 रूप स्मरण

1. शब्द रूप- राम, हरि, रमा, फल (सातों विभक्तियों में)

2. धातु रूप- भू, लिख्, पठ, हस्, खेल्, सेव् (लट्, लोट्, लृट्, लङ्, विधिलिङ्)

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. प्रौढ रचनानुवादकौमुदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, नखास चौक, गोरखपुर
2. विष्णुदत्त शर्मा शास्त्री(व्या.), भर्तृहरिकृत नीतिशतकम्, विमलचन्द्रिकासंस्कृतटीका व हिन्दी- व्याख्यासहित, ज्ञानप्रकाशन, मेरठ।
3. हितोपदेश, चौखम्बा प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. गीता, सामर्पणभाष्य, चित्रा मुद्रणालय, बुढाना गेट, मेरठ
5. महाभारत, गीता प्रेस, गोरखपुर
6. प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	छात्र संस्कृत पद्य रचना की प्रवृत्ति एवं सिद्धान्तों से परिचित होंगे।।	PO.13
CO2	छात्र संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य को जानेंगे।	PO.2
CO3	छात्र प्राचीन सामाजिक स्थिति एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।	PO.4, PO.7

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.13, PO.2, PO.4, PO.7 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।